शेराँवाली माँ खज़ाने बैठी खोल के

जय जय माँ, जय जय माँ,
जय माँ, जय माँ, जय माँ, जय माँ ॥

शेराँवाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के ।
ज्योतां वाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के* ।
शेराँवाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के ।
दुःख सबके हरती,,, जय हो ।
भंडार है भरती,,, जय हो ।
^तकदीर बदलती, जरा देर ना लगती,,, जय हो ।
ज्योतां वाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के* ।
शेराँवाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के ॥

यहां हरपल दाती बांटती, खुशियों के मोती,
यहां सुख के सारे, रत्नों की है बारिश होती ।
जो चाहिए ले लो,,, जय हो ।
आवाजे दे लो,,, जय हो ।
^ये माँ का दर है, तुम्हें किसका डर है,,, जय हो ।
ज्योतां वाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के* ।
शेराँवाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के ॥

माँ रोज यहां कंगालो को, धनवान बनाती,
वो झोपड़ी को बंगला, आलिशान बनाती ॥
हर आशा तेरी,,, जय हो ।
कर देगी पूरी,,, जय हो ।
^विश्वास रखो, फिर जादू देखो,,, जय हो ।
ज्योतां वाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के* ।
शेराँवाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के ॥

वो मिट्टी को भी छु ले तो, सोना बन जाता,
अरे उसी से भिक्षा लेता, जग का भाग्य विधाता ॥
वो जग की दाती,,, जय हो ।
जो सबको देती,,, जय हो ।
^तुमको भी देगी, हमको भी देगी,,, जय हो ।
ज्योतां वाली माँ, खज़ाने बैठी खोल के* ।
शेराँवाली माँ, खज़ाने बैठी,,,,,,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27588/title/sherawali-maa-khazane-baithi-khol-ke

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |